सोमवार
23 मई 2022

पृष्ठ 4
अच्छी नींद से लेकर डैंड्रफ खत्म करने में लाजवाब है संतरे के छिलके

पृष्ठ 5
फिल्म लक्ष्मण लोपेज में नजर आएंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

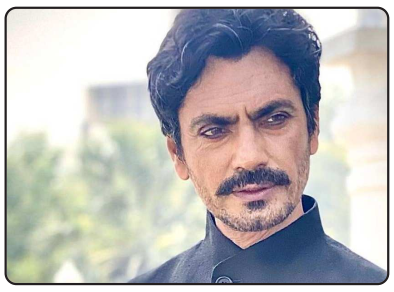

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 111
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

संसार मे सर्वाधिक शक्ति युवावस्था और नारी के सौंदर्य में होती है।
– चाणक्य

दूनवैलीमेल

आर.एन.आई.- 59626/94
सांध्य दैनिक
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

यात्रा पर मौसम का ब्रेक

विशेष संवाददाता

रुद्रप्रयाग/उत्तरकाशी/चमोली। बीते कल शाम से प्रदेश में बारिश और बर्फबारी के कारण न सिर्फ चार धाम यात्रा प्रभावित हुई है बल्कि आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम क्षेत्रों में हो रही बारिश के कारण यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन द्वारा खराब मौसम के कारण केदारधाम जाने वाले 8 से 10 हजार यात्रियों को फिलहाल यात्रा पड़ावो पर रोक दिया गया है तथा हेली सेवा भी बंद कर दी गई है।

केदार धाम में कल से बारिश व हल्की बर्फबारी के कारण भारी सर्दी बढ़ गई है वही आज सुबह से ही हो रही बारिश के कारण जिला प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर यात्रा को रोक दिया गया है। 8 से 10 हजार के करीब यात्रियों को गौरीकुंड, फाटा तथा गुप्तकाशी में सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है। यात्रियों से कहा गया है कि वह मौसम साफ होने से पहले यात्रा शुरू न करें। वही केदारधाम क्षेत्र में छाए घने

❑केदारनाथ यात्रा रोकी, हेली सेवा भी बंद
❑पड़ावों पर 8 से 10 हजार यात्री रोके गए
❑सभी धामों में बारिश से ठंड का प्रकोप
❑हेमकुंड साहिब में वर्षा व बर्फबारी जारी

बादल और तेज बारिश के कारण विजिविलिटी कम होने के कारण हैली सेवा को रोक दिया गया है। जो यात्री धाम पहुंच चुके हैं वह दर्शन कर रहे हैं लेकिन खराब मौसम के कारण वापस नहीं लौट रहे हैं।

रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी और चमोली में बीती शाम से ही बारिश हो रही है जिसके कारण तापमान में गिरावट आई है। सर्दी का प्रकोप बढ़ने से यात्रियों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है व यमुनोत्री धाम में बारिश व बर्फबारी के कारण चार धाम यात्रा प्रभावित हुई है। वही बद्रीनाथ और जोशीमठ तथा चमोली में भी बारिश के कारण यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है हेमकुंड साहिब में कल शाम से वर्षा और बर्फबारी की खबरें हैं। कल कपाट खुलने के बाद से ही हेमकुंड साहिब का मौसम बदला हुआ है।

उल्लेखनीय है कि दो दिन पूर्व ही मौसम विभाग द्वारा चेतावनी जारी की गई थी कि राज्य में आगामी 4 दिन मौसम खराब रहेगा। राज्य में भारी बारिश, आंधी तूफान और बर्फबारी की चेतावनी दी गई थी। राज्य का आपदा प्रबंधन केंद्र स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं यात्रा मार्गो पर तैनात एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों को हाईअलर्ट पर रखा गया है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक राज्य में कहीं से भी किसी

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

कर्नल कोठियाल थामेंगे अब भाजपा का दामन

विशेष संवाददाता

देहरादून। विधानसभा चुनाव 2022 में आम आदमी पार्टी का सीएम चेहरा रहे कर्नल अजय कोठियाल अब अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं। संभावना है कि वह 24 मई को भाजपा मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण करेंगे।

सेवानिवृत्त कर्नल अजय कोठियाल जिनके चेहरे पर आम आदमी पार्टी 2022 के चुनाव में उतरी थी और उन्हें अपने मुख्यमंत्री का चेहरा बनाया गया था, वह गंगोत्री सीट से खुद तो चुनाव हार ही गए थे साथ ही आम आदमी पार्टी सूबे में अपना खाता भी नहीं खोल सकी थी। इस हार के बाद पार्टी ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया था तभी से उनके आप का साथ छोड़ने के कयास लगाए जा रहे थे। कर्नल कोठियाल आप की सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कर्नल कोठियाल आगामी एक-दो दिन में भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं। सेवानिवृत्त सैन्य कर्मी के रूप में एक बड़ा चेहरा माने जाने वाले कर्नल

❑24 मई को होंगे दलबल सहित भाजपा में शामिल

कोठियाल चंपावत उप चुनाव से पूर्व भाजपा का दामन थामने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि 24 मई को वह अपने समर्थकों के साथ प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि 2022 के चुनाव के पूर्व भी वह भाजपा में आना चाहते थे तथा पौड़ी सीट से चुनाव लड़ना चाहते थे लेकिन टिकट मिलने की अनिश्चितता के कारण वह भाजपा में नहीं जा सके थे और आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए थे। लेकिन चुनाव में मिली असफलता के कारण आम आदमी पार्टी ने उन्हें हाशिए पर धकेल दिया। अपनी उपेक्षा से आहत कर्नल कोठियाल अब फिर भाजपा का दामन थामने जा रहे हैं।

जेल की दाल-रोटी खाने से नवजोत सिद्धू का इनकार!

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू इन दिनों पटियाला जेल में बंद हैं। वे ३३ साल पुराने रोड रेज केस में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई सजा काट रहे हैं। इसी बीच खबर आ रही है कि सिद्धू ने जेल में दाल–रोटी खाने से इनकार कर दिया है। उन्हें पटियाला के राजिंद्र हॉस्पिटल ले जाया गया है। जहां उनका मेडिकल चेकअप किया जा रहा है। दरअसल, जेल प्रशासन द्वारा मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है। यह सिद्धू के लिए डाइट प्लान तैयार करेगा। सिद्धू ने दावा किया है कि उन्हें गेहूं से एलर्जी है, ऐसे में उन्होंने जेल का खाना खाने से इनकार कर दिया है। वे जेल की दाल रोटी नहीं खा रहे हैं। वे सिर्फ सलाद खाकर गुजारा कर रहे हैं। सिद्धू को गेहूं से एलर्जी है। उन्हें लीवर की प्रॉब्लम है। इसे देखते हुए सिद्धू ने जेल प्रशासन से स्पेशल डाइट की मांग की है। सिद्धू के मीडिया सलाहकार सुरिंदर डल्ला ने कहा कि सिद्धू को गेहूं से एलर्जी है। वह गेहूं की रोटी नहीं खा सकते। लंबे समय से वह रोटी नहीं खा रहे हैं, इसलिए उन्होंने स्पेशल डाइट मांगी है। इसके बारे में उन्होंने मेडिकल के दौरान भी जानकारी दी थी। कोर्ट ने उनका मेडिकल चेकअप कराकर ४रू०० बजे तक रिपोर्ट मांगी है। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू को १९८८ के रोडरेज मामले में सुप्रीम कोर्ट ने १ साल की सजा सुनाई है। दरअसल, सिद्धू ने अपने दोस्त के साथ मिलकर एक शख्स की पिटाई की थी। इसके बाद उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी। हालांकि, रिपोर्ट में सामने आया था कि शख्स की मौत हार्ट अटैक पड़ने से हुई। इस मामले में सिद्धू को निचली अदालत ने बरी कर दिया था।

पिछले 24 घंटे में कोविड- 19 के 2022 केस दर्ज हुए, 46 मरीजों की गई जान

नई दिल्ली। भारत में कोरोना संक्रमण के मामलों में एक बार गिरावट का दौर शुरू हो गया है। लगातार दूसरे दिन देश में कोरोना के मामलों को लेकर राहत नजर आई। पिछले २४ घंटे में यहां कोविड संक्रमण के २ हज़ार २२ केस दर्ज हुए। वहीं इस दौरान वायरस से जान गंवाने वाले मरीजों की संख्या ४६ रही।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सोमवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले २४ घंटे में कोरोना वायरस से संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या २,०२२ रही। वहीं इस ४६ लोगों की मृत्यु हुई, जो कल के मुकाबले १६ कम है। इसके साथ ही इस दौरान थी हुए मरीजों की संख्या भी २,०९९

रही।

मंत्रालय के अनुसार, देश में मौजूदा समय में एक्टिव केस की संख्या १४,८३२ है। इसके साथ ही कुल पॉजिटिविटी रेट ०.६६ प्रतिशत है। वहीं देश में महामारी के खिलाफ जारी टीकाकरण के तहत अब तक एंटी कोविड वैक्सीन की १९२.३८ करोड़ से अधिक डोज़ दी जा चुकी हैं।

पिछले २४ घंटे में रिकवर हुए २,०९९ मरीजों के बाद अब तक कुल चार करोड़ २५ लाख ९९ हजार १०२ कोविड–१९ से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर ९८.७५ प्रतिशत है। देश में पिछले २४ घंटे में २ लाख ६४ हजार ८१२ कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल ८४ करोड़ ७० लाख ९२ हजार २२६ कोविड परीक्षण किए हैं।

भारत में कोरोनावायरस के बीए.४ और बीए.५ ओमिक्रॉन सब वैरिएंट के होने की पुष्टि की है. अब तक देश में तीन केस मिले हैं। इनमें एक मामला तमिलनाडु में और दो केस तेलंगाना में पाए गए हैं. बताते चलें कि बीए.४ और बीए.५ वायरस तेजी से फैलता है।

दून वैली मेल

संपादकीय

महंगाई पर भारी पड़ती राहत

खुदरा और थोक महंगाई दर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने तथा खाद्य वस्तुओं की दरों में भारी उछाल और बैंकों की ब्याज दर में बढ़ोतरी के बीच केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल के दामों में वैट में थोड़ी सी कटौती कर आम आदमी को राहत देने का प्रयास किया गया है। पेट्रोल के दामों में 9.50 और डीजल के दाम में की गई 7 रूपये प्रति लीटर की कमी से कुछ खास राहत इसलिए भी नहीं मिलती दिख रही है क्योंकि अभी भी पेट्रोल की कीमतें कुछ शहरों में 100 के पार है तो कुछ में 100 से दो-चार रूपये कम है। भले ही सत्ता में बैठे लोग इसे बड़ी राहत के तौर पर देख रहे हो लेकिन हकीकत यही है कि इस कटौती के बाद भी यह कीमतें मार्च 2022 के स्तर पर ही आ सकी हैं। बीते 2 माह में जितनी कीमतें बढ़ी थी यह कटौती सिर्फ उसके बराबर ही है। वही उज्जवला योजना के लाभार्थियों के लिए सरकार ने भले ही 2 रूपये प्रति सिलेंडर की कीमतें कम कर दी गई हो लेकिन उन आम आदमी को कोई राहत नहीं दी गई है जो अभी घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के 1022 रूपये चुका रहा है। केंद्र सरकार पर इस राहत के एवज में भले ही दो लाख करोड़ रुपए का घाटा हो रहा हो लेकिन आम आदमी के लिए यह राहत ऊंट के मुंह में जीरा जैसी ही साबित होगी जिसकी वजह है उस पर पड़ती चौतरफा महंगाई की मार। प्रधानमंत्री मोदी भले ही अन्य क्षेत्रों से भी यह अपेक्षा कर रहे हो कि वह भी बढ़ती महंगाई को कम करने में सहयोग करें जिससे आम आदमी को राहत मिल सके। लेकिन यह संभव नहीं है। क्योंकि जिन उत्पादों और सेवाओं के दाम बढ़ चुके हैं वह कम होने वाले नहीं हैं बात चाहे लोहे, सीमेंट और रेता बजरी की हो या फिर किराए और माल भाड़ा वृद्धि की अथवा होटल और रेस्तरां के खाने की जिसकी कीमतें एक बार बढ़ गई तो बढ़ गई उन्हें पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम करके फिर नीचे लाया जाना संभव नहीं है। एक अन्य महत्वपूर्ण बात यह है कि महंगाई के लिए जिन वैश्विक स्थितियों को कारण बताया जा रहा है वह भी खत्म नहीं होने वाली है। इस बात की क्या गारंटी है कि अब पेट्रोल डीजल के दाम और नहीं बढ़ेंगे। इसलिए अगर आप यह सोचे बैठे हैं कि अब सरकार जाग गई है इसलिए आपको इस महंगाई से निजात मिल जाएगी तो यह सिर्फ आपका या किसी का भी सिर्फ मुगालता ही है। विश्व भर में गेहूं जो सबसे प्रमुख खाद्यान्नों में शुमार होता है तथा पूरा बेकरी मार्केट जिस पर टिका हुआ है, को लेकर जो मारामारी देखी जा रही है तथा खाद्य तेलों की कीमतें जिस रिकॉर्ड स्तर पर जा चुकी हैं वह आने वाले समय के खाद्य संकट का ही संकेत है। केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल पर वैट में कटौती के बाद कर्नाटक महाराष्ट्र और गुजरात तथा ओडिसा ने भी राज्यों के टैक्स में कटौती कर पेट्रोल डीजल की कीमतों को कुछ और कम करने की कोशिश की है। लेकिन इन कोशिशों को सिर्फ एक प्राथमिक ट्रीटमेंट ही माना जा सकता है। जो महंगाई के बोझ से मरे जा रहे आम व गरीब लोगों को थोड़ी सी राहत तो दे सकता है उनके अच्छे दिन नहीं ला सकता।

सरकारी कार्मिकों के बच्चों का सरकारी स्कूल में दाखिला करना अनिवार्य करने की मांग

नगर संवाददाता

मुनस्यारी। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा शिक्षा मंत्री डां धन सिंह रावत को पत्र लिखकर प्रदेश में सरकारी कार्मिक तथा सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले परिवारों के पाल्यो का सरकारी स्कूलों में दाखिला करना अनिवार्य करने की मांग की। कहा कि सरकारी शिक्षक अपने पाल्यो को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ायेगा तो सरकारी शिक्षा व्यवस्था पर कौन भरोसा करेगा।

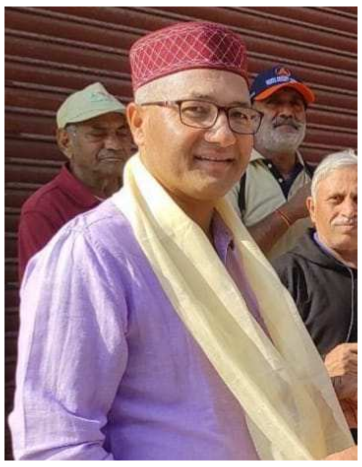

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज इस पत्र को भेजकर प्रदेश की राजनीति में एक नया सवाल पैदा कर दिया है। मर्तोलिया ने कहा कि प्रदेश में सरकारी शिक्षा तथा सरकारी नौकरी को बचाने के लिए प्रदेश सरकार को कोषागार से वेतन तथा मानदेय प्राप्त करने वाले तथा सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाले परिवारों के पाल्यो का सरकारी स्कूलों में दाखिला करना अनिवार्य बना देना चाहिए। इनको सरकारी स्कूलों में अपने पाल्यो को पढ़ाने का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के बाद ही वेतन, मानदेय तथा सरकारी योजना का लाभ दिया जाना चाहिए।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि आज सरकारी स्कूल उपेक्षा का शिकार बने हुए है। इन स्कूलों में केवल अधिकांश अक्षम परिवारों के बच्चे अध्ययनरत है। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में तैनात शिक्षक अपने पाल्यो को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ाते है और आम जनता से कहते है कि वह अपने भाइयों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाएं। इस विरोधाभास के चलते सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या भी कम होती जा रही है। उन्होने कहा कि सरकारी शिक्षा तथा सरकारी सेवाओं को मजबूत करने के लिए प्रदेश सरकार को इस तरह का कड़ा फैसला लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस मांग को लेकर आगामी क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत की बैठक में प्रस्ताव पास कर प्रदेश सरकार को भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि वे इस मांग को हर मंच से उठाकर इसके लिए प्रदेश भर में सकारात्मक माहौल बनायेंगे। कहा कि अगर प्रदेश सरकार ने इस मांग पर कोई विचार नहीं किया तो प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री एवं मंत्रियों को जगह-जगह पर जनता द्वारा घेराव कर समाज एवं राज्य हित के इस मामले को लटकाने पर सवाल पूछा जायेगा।

भैरव सेना ने सतपाल महाराज के लिए किया बुद्धि-शुद्धि यज्ञ

संवाददाता

देहरादून। भैरव सेना ने कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज द्वारा सुशांत सिहं राजपूत की स्मृति पॉइट व यात्री विश्राम गृह बनाने के बयान का विरोध करते हुए उन के लिए बुद्धि शुद्धि यज्ञ का आयोजन किया गया।

आज यहां भैरव सेना के कार्यकर्ता कार्यकारी जिलाध्यक्ष रंजीत पाठक के नेतृत्व में ऐतिहासिक गांधी पार्क पहुंचे। वहां पर उन्होंने उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की स्मृति पॉइंट एवं यात्री विश्राम बनाने का बयान जारी करने के विरोध में भैरव सेना ने बुद्धि-शुद्धी यज्ञ किया। संगठन अध्यक्ष संदीप खत्री ने बताया की केदारनाथ फिल्म का उत्तराखंड में संगठन के द्वारा पुरजोर विरोध हुआ था, जिसको लेकर सरकार द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया जिसके अध्यक्ष तत्कालीन कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज को ही बनाया गया था और उनकी रिपोर्ट के आधार पर ही फिल्म को उत्तराखंड राज्य में प्रतिबंधित कर दिया गया था। जिसके लिए भैरव सेना ने उनके आवास पर जाकर उनको सम्मानित भी किया था। प्रदेश सचिव संजय पंवार ने कहा की वर्तमान में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज का मुगल देश दुबई से आते ही उन्होंने तुगलकी फरमान जारी कर दिया। जिसमें उन्होंने केदारनाथ फिल्म के दृश्य तथा फिल्म के अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का स्मृति पॉइंट तथा यात्री विश्राम गृह बनाने का बयान जारी कर दिया। जिसको की भैरव सेना तथा उत्तराखंड राज्यवासी बर्दाश्त नहीं करेंगे। यदि स्मृति प्वाइंट बनाना ही है तो उत्तराखंड राज्य की महान विभूतियों श्री देव सुमन, हेमवती नंदन बहुगुणा, वीर चंद्र सिंह गढ़वाली, माधव सिंह भंडारी, अनुसूया बहुगुणा, तीलू रौतेली, गोविन्द वल्लभ पंत सहित हजारों समर्पित उत्तराखंडीयों का बनाओ परन्तु उनको छोड़कर एक फिल्म अभिनेता का स्मृति पॉइंट बनाने का क्या औचित्य है। कार्यक्रम में उपरोक्त वक्ताओं सहित प्रदेश सचिव संजय पवार प्रदेश संयोजक युवा मोर्चा करण शर्मा अंजू चौरसिया सुनीता आर्य पिंकी पटेल राहुल सूद तारा सिंह चौहान राजकुमार सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसपी उत्तरकाशी ने अच्छे कार्य करने वाले पुलिस जवानों को किया सम्मानित

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी अर्पण यदुवंशी द्वारा आज चारधाम यात्रा के दौरान पुलिस जवानों द्वारा सेवा भाव, लग्न एवं ड्यूटी के साथ-साथ ईमानदारी-मानवता का परिचय देते हुये श्रद्धालुओं व आमजन की सहायता करने वाले जवानों के उत्साहवर्धन हेतु उन्हें अच्छा कार्य करने पर नगद पारितोषिक से पुरस्कृत किया गया है।

एसपी उत्तरकाशी द्वारा सभी जवानों की प्रशंसा करते हुये कहा गया कि हमारी पुलिस यात्रा के दौरान बहुत अच्छा कार्य कर रही है। सुगम एवं सुरक्षित यात्रा के साथ-साथ वह असहाय एवं परेशान यात्रियों की मदद कर वह अपने कर्तव्यों को भी बखूबी निभा रही है। साथ ही उन्होने बताया कि ड्यूटी के दौरान अच्छा कार्य करने वालों को आगे भी सम्मानित किया जाता रहेगा।

आज उनके द्वारा अच्छा कार्य करने वाले जिन पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को नगद धनराशि से पुरस्कृत किया गया है उनके नाम राजेन्द्र नाथ निरीक्षक यातायात, गजेन्द्र दत्त बहुगुणा प्रभारी निरीक्षक बडकोट, उ.नि. मनीषा नेगी चौकी गंगोत्री, हे.का. (प्रो.) गोविन्द राम-चौकी यमुनोत्री, कानि. राजेश उनियाल यातायात, कानि. चालक शिवमंगल यातायात, एफएम परिक्षित चौकी गंगोत्री, एफएम हर्षित चौकी गंगोत्री, कानि. हरिमोहन राणा खरादी व म.का. प्रियंका परमार चौकी गंगोत्री शामिल है।

अस्य देवस्य संसद्यनीके यं मर्तासः श्येतं जगृभ्रे।'
'नि यो गृभं पौरुषेयीमुवोच दुरोकमग्निरायवे शुशोच ।।

(ऋग्वेद ७–४–३)

जब कोई व्यक्ति स्वयं को ईश्वर के अधीन कर देता है, तो ईश्वर का ज्ञान उसके अशुद्ध जीवन को शुद्ध कर देता है। ऐसे मनुष्य दूसरे मनुष्यों का हित करते हैं। ऐसे मनुष्य देश की सत्ताधारी संस्था में होने चाहिए।

When a man submits himself to the God, the knowledge of God purifies his impure life. Such human beings do good to other human beings. Such people should be part of the ruling body of the nation.

(Rig Veda 7-4-3)

ऑनलाईन क्रेन्सी के नाम पर ठगे साढे तीन लाख

संवाददाता

देहरादून। ऑनलाईन क्रेन्सी को बढाने का झांसा देकर महिला से तीन लाख पचास हजार रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार केशर विहार माजरा निवासी वर्षा कर्णवाल ने साईबर थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसकी बेटी कुमारी अमाया जिसकी आयु इस समय लगभग 6 वर्ष है का उपचार डॉ० विपिन वैश्य, सेवक आश्रम रोड, से चल रहा है। उसका विवाह अनमोल कर्णवाल, निवासी सहारनपुर से हुआ है तथा वह ज्यादातर अपनी पुत्री के ईलाज के सिलसिले में देहरादून में ही निवास करती है। उसके द्वारा पांच लाख पचास हजार रुपये की धनराशि अपनी पुत्री के भविष्य के लिए तथा उसके ईलाज में मदद हो सकें इस हेतु शिबा इनू में इनवेस्ट किये गये थे, तथा उसको यह भरोसा था कि उसकी यह मूल रकम कुछ समय बाद बढ़ जायेगी तथा वह अपनी पुत्री का ईलाज भली प्रकार से करवा पायेगी । उसको पता लगा कि यह एक ऑन लाईन क्रेन्सी के रूप में है तथा जिनकी वैल्यू घटने के पश्चात् मार्च 2022 में लगभग 3 लाख 50 हजार रूपये आसपास रह गई है तथा वह इस नुकसान से अत्यन्त परेशान हुई क्योंकि यह धनराशि वह अपनी पुत्री के ईलाज में लगाना चाहती थी। उसके पति व जेठ ने उसको गाजियाबाद निवासी सुभाष शर्मा नामक व्यक्ति से मिलवाया जो ऑनलाईन करन्सी को खरीदने बेचने का काम करता है। सुभाष शर्मा ने उसको आश्वासन दिया कि वह उसके रूपये वापस करवा देगा तथा उसकी डिवाइस अपने पास रख ली तथा सुभाष शर्मा ने अगले ही दिन उसकी डिवाइस के माध्यम से उसके खाते से तीन लाख पचास हजार रूपये निकाल लिये गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

निमंत्रण पत्र में लिखे, इस समारोह में शराब सहित सभी प्रकार के नशे पर पूर्ण प्रतिबंध है: मर्तोलिया

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि अब उन्हें उसी शादी विवाह, नामकरण संस्कार, उपनयन सहित समारोह में बुलाएं जहां शराब सहित नशे पर पूर्ण प्रतिबंध हो, अन्यथा उन्हें निमंत्रण पत्र देकर एक कार्ड को खराब ना करें। कहा कि जो गांव इस अनूठे अभियान को चलायेगा, वह उस गांव को गोद लेकर वहां विकास की वर्षा करवायेंगे।

जिपं सदस्य जगत मर्तोलिया ने आज अपने इस अनूठे अभियान को शुरू करने का ऐलान किया। कहा कि आज तक प्राप्त निमंत्रणो में तो वे मन मारकर जाएंगे, लेकिन आज की तिथि के बाद गांव, समाज, मित्रों से प्राप्त उसी आमंत्रण को स्वीकार करेंगे, जिसमें हर प्रकार के नशे में प्रतिबंध लगाया गया होगा।

ग्राम पंचायत खसियाबाडा, दरांती की खुली बैठक में आज मर्तोलिया ने इस बात की घोषणा करते हुए सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि शराब को पुलिस प्रशासन को जिम्मेदार बनातें हुए कम किया जा सकता है, लेकिन इसका अंत तभी होगा, जब समाज स्वीकार करेगा कि अब उन्हें शराब नहीं चाहिए।

मर्तोलिया ने अपने जिला पंचायत वार्ड सरमोली के २५ ग्राम पंचायतों का आव्हान किया कि पहला गांव कौन बनेगा जो कहे कि इस गांव में बिना शराब के समारोह आयोजित किए जाएंगे। इस तरह के गांवों वे जिला पंचायत निधि, विधायक एवं सांसद निधि के अलावा जिला अधिकारी से प्राप्त विभिन्न मदो के बजट से गोद लेकर उसका विकास करेंगे।

मर्तोलिया ने कहा कि निमंत्रण पत्र में लिखे कि इस समारोह में शराब सहित सभी प्रकार के नशे पर पूर्ण प्रतिबंध है। पकड़े जाने पर ५०० रु दंड महिला एवं युवक मंगल दल को देय होगा।

साथ में ही लिखना होगा असुविधा के लिए खेद प्रकट करते है।

मर्तोलिया ने कहा कि इस अभिनव प्रयोग को करने के लिए वे समुदाय की पहल का इंतजार करेंगे। बैठक में रोजगार परक खेती, बागवानी पर खुलकर चर्चा करने के बाद योजना बनाई गई।

बैठक में मनरेगा के डीपीएम प्रकाश जोशी, ग्राम विकास अधिकारी नवीन रावत,एनआरएलएम एरिया कोडिनेटर की राधा बगरी, अवर अभियंता पंचायत पूजा पंवार मेहता, बूटी शोध संस्थान गोपेश्वर के विशेषज्ञ देवकीनंदन गुरुरानी, भारतीय स्टेट बैंक आरसीटी पिथौरागढ़ के चन्द्रशेखर भट्ट मौजूद रहे। अध्यक्षता उपप्रधान कमला देवी ने किया।

दीनानाथ सलूजा को श्रद्धांजलि देकर निगम में रखा अवकाश

संवाददाता

देहरादून। पूर्व पालिकाध्यक्ष व समाजसेवी दीनानाथ सलूजा के निधन पर मेयर सुनिल उनियाल गामा व अन्य कर्मचारियों ने निगम परिसर में श्रद्धाजलि सभा का आयोजन कर दो मिनट का मौन रखने के पश्चात निगम मे अवकाश की घोषणा की। आज यहां पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष व समाजसेवी दीनानाथ सलूजा की मृत्यु की सूचना मिलते ही नगर निगम में शोक की लहर दौड गयी। मेयर सुनील उनियाल गामा, पूर्व पार्षद व राज्य मंत्री अशोक वर्मा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी निगम परिसर में एकत्रित हुए जहां पर उन्होंने दीनानाथ सलूजा को श्रद्धांजलि देकर दो मिनट का मौन रखा। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि आजादी पूर्व स्थापित और आजादी बाद कई दशक तक दिल्ली, चंडीगढ़, लखनऊ समेत विभिन्न स्थानों से प्रकाशित तकरीबन सभी प्रमुख समाचार पत्र-पत्रिकाओं का शहर में सबसे बड़े नेटवर्क के जरिये वितरण कराने वाली नेशनल न्यूज एजेंसी के स्वामी दीनानाथ सलूजा काफी लंबे समय से बीमार थे। 89-90 और कुछ हद तक डेढ़ दशक पहले तक दीनानाथ सलूजा दूनघाटी के सामाजिक-सांस्कृतिक और गैर राजनीतिक मंचों का प्रमुख चेहरा होते थे। उत्तराखंड आंदोलन के शुरुआती दौर में भी वे प्रत्यक्ष और बाद में परोक्ष रूप से सक्रिय रहे। देहरादून में आंदोलन के संचालन के लिए एकदम शुरूआत में बनी संघर्ष समिति के निर्माण में भी उनकी भागीदारी रही।

वक्ताओं ने कहा कि दीनानाथ सलूजा 1989 से 1994 तक देहरादून नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रहे। वे दून के ऐसे आखिरी पालिकाध्यक्ष थे, जो सभासदों के वोट से चुने गए थे। 1989 तक पालिकाध्यक्षों को सभासद ही चुनते थे, जबकि 1997 से पालिकाध्यक्ष का चुनाव सीधे आमजनता के वोट से होने लगा। नगर निगम परिसर स्थित लाला जुगमंदर दास प्रेक्षागृह (टाउनहॉल) का पहली बार आधुनिकीकरण दीनानाथ सलूजा के ही कार्यकाल में किया गया था। वह बेहद विनम्र, सौम्य, ईमानदार और सहज समाजसेवी दीनानाथ सलूजा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त कियां। श्रद्धांजलि सभा के बाद नगर निगम में एक दिन का अवकाश घोषित कर दिया गया।

गंगोत्री में गंगा नदी पर बना है दुनिया का सबसे छोटा पुल

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

किसी भी बड़ी नदी पर दुनियाँ का सबसे छोटा पुल माँ गंगा नदी पर बना है वो भी गंगोत्री में।

माँ गँगा नदी के उदगम गंगोत्री गोमुख से गँगासागर तक के २५२५ किलोमीटर के सफर में कई बड़े बड़े पुलों के नीचे से होकर गुजरती है गँगा नदी। लेकिन अपने उदगम गंगोत्री में माँ गँगा अपना २ किलोमीटर का सफर गहरी संकरी खतरनाक घाटी में तय करती है। कहीं कहीं पर इतनी गहरी संकरी घाटी से होकर गुजरती है जहाँ से इसको लांघ कर भी पार किया जा सकता है।

गंगोत्री में एक जगह तो माँ गंगा दो कठोर पहाडों के बीच मात्र १ मीटर की चौड़ाई में ही गहरी घाटी से होकर बह रही है और दोनों पहाड़ियों के बीच एक पत्थर बीच मे फंसा पड़ा है जो सेतु का काम करता है लेकिन इस जगह तक पहुंचना बहुत ही खतरनाक व असम्भव है।

पहले दुनियाँ के सबसे छोटे पुल पर आपको लिए चलता हूँ। समुद्रतल से ३१४० मीटर की ऊँचाई पर माँ गँगा के धाम गंगोत्री में। सूर्यकुंड में स्वम्भू शिवलिंग में सम्पूर्ण समर्पित होने के बाद माँ गंगा का लगभग २ किलोमीटर का सफर गहरी तंग संकरी घाटी से होकर पूरा होता है। सूर्यकुंड के समीप ही मात्र गँगा जी २ मीटर की चौड़ाई वाली घाटी से होकर गुजरती है। इसी जगह बना है दुनियाँ का सबसे छोटा ब्रिज। जिसकी चौड़ाई मात्र ५ मीटर ही है। हालांकि गँगा नदी का ओरिजनल स्पान यहां पर मात्र २ मीटर है। इसके आगे गँगा नदी और भी गहरी संकरी खतरनाक घाटी से होकर गुजरती है। सूर्यकुंड से१ किलोमीटर आगे गौरीकुंड के पास पहुंचना भी बहुत ही खतरनाक है।

यूँ तो गंगा नदी पर कई गंगोत्री से लेकर गंगासागर तक कई विशाल ब्रिज बने हुए हैं जिनमे से एक है कच्ची दरगाह बिदुपुर ब्रिज जिसकी लम्बाई ६.७६ किमी है।

गंगा नदी पर कच्ची दरगाह बिदुपुर पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। कच्ची दरगाह बिदुपुर पुल भारत में सबसे लंबा नदी सड़क पुल होगा। वर्तमान में असम में भूपेन हजारिका सेतु भारत में सबसे लंबा पुल है ।

बस की चपेट में आकर महिला घायल

संवाददाता

देहरादून। बस की चपेट में आकर महिला घायल हो गयी जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बंजारा बस्ती सेलाकुई निवासी राजू ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी मां पैदल बाजार से घर की तरफ आ रही थी जब वह सुजुकी के शौरूम के सामने पहुंची तभी पीछे से आ रही बस ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। बस चालक मौके से बस लेकर फरार हो गया। आसपास के लोगों ने उसकी मां को स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो मोटरसाईकिल चोरी

देहरादून (संवाददाता)। चोरों ने दो स्थानों से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्गा मन्दिर सेवला कला निवासी राजेन्द्र सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल अपने घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं टीएचडीसी कालोनी निवासी शुभम कुमार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से महंत इन्द्रेश हास्पिटल आया था। उसने अपनी मोटरसाईकिल हास्पिटल के सामने एटीएम के बाहर खडी कर दी थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर से गैस सिलेण्डर चोरी

देहरादून (संवाददाता)। चोरों ने घर के अन्दर से गैस सिलेण्डर चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बांजावाला निवासी जुनैद ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बाजार गया था लेकिन जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके घर से गैस सिलेण्डर गायब था किसी ने उसको चोरी कर लिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

25 मई के राष्ट्रव्यापी आंदोलन को सफल बनाने के लिए की बैठक

नगर संवाददाता

हरिद्वार। नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (नासवी) के आव्हान पर उत्तराखंड लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में देशभर में अतिक्रमण के नाम पर रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को उनके कारोबारी स्थानों से हटाए जाने के विरोध में एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी आंदोलन को सफल बनाने के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए रेडी पटरी के लघु व्यापारियों के अधिकारों के प्रति जागरूक जनसंपर्क अभियान के तहत कई क्षेत्रों के रेडी पटरी के लघु व्यापारियों के संगठनों के साथ बैठक कर राष्ट्रव्यापी आंदोलन के समर्थन के लिए विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा नासवी के आव्हान पर आगामी 25 मई को भारतवर्ष के सभी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों के संगठन अपने- अपने राज्यों की नगर पालिका, नगर परिषद, नगर निगमों में घेराव कर प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर योजना, राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम, राष्ट्रीय आजीविका मिशन गरीबी स्वरोजगार के क्रियान्वयन को लेकर केंद्र व राज्य सरकार को अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर देशभर में रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को परिभाषित करने की मांग दोहराई जाएगी क्या रेडी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स स्वरोजगारी हैं और अतिक्रमण कारी केंद्र सरकार द्वारा देश के राज्यों की सभी निकायों के अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित किए जाने की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा उत्तराखंड राज्य में महामहिम राज्यपाल की अनुमति के उपरांत सरकार द्वारा 25 मई 2016 को उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली का शासन आदेश जारी किया जा चुका है लेकिन नगर निगम प्रशासन की हीला- हवाली के चलते रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को केंद्र व राज्य सरकार का संरक्षण नहीं मिल पा रहा है जोकि न्याय पूर्ण नहीं है। आगामी 25 मई के एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी आंदोलन को सफल बनाने की बैठक में उपस्थित हुए लघु व्यापारियों में हरपाल सिंह, राजकुमार एंथनी, महेंद्र सैनी, ठाकुर कुंदन सिंह, सतीश प्रजापति, दिलीप, विशाल सक्सेना, जय भगवान सहित कई लोग शामिल रहे।

दानवीर कर्ण चले बाबा केदार के द्वार...

उत्तरकाशी जिले के मोरी तहसील की सिंगतूर पट्टी के २५ गांव के आराध्य देव दानवीर कर्ण महाराज, गुरुमाता रेणुका, कर्ण माहराज के सारथी शल्य महाराज एवम कर्ण माहराज के पुत्र वृष केतु महाराज पुनः १८ वर्षो के बाद केदारनाथ कि यात्रा पर जा रहे है ।।

यह यात्रा आज २३ मई २०२२ से प्रारंभ हो रही है इस यात्रा में दानवीर कर्ण को मानने वाले ब्राह्मण,पुजारी,बजीर, कंडी वाहक, ठानी,और उनके बाजगी लोग प्रतिभाग करेंगे। जिनकी संख्या ६० से ६५ होगी तथा उत्तराखंड पुलिस की ओर से २ स्ष्ठक्रस्न के जवान भी इस यात्रा में साथ रहेंगे यह यात्रा लगभग एक माह चलेगी।

चूंकि कर्ण माहाराज भगवान भोलेनाथ शिवशंकर महादेव को अपना गुरु मानते है उनके दर्शन करने तथा भोले नाथ से अपने अनुयायियों की खुशहाली की प्रार्थना करने दानवीर कर्ण माहराज प्रत्येक १२ बर्षो के उपरान्त केदारनाथ की यात्रा पर जाते हैं।।

यह यात्रा लगभग ६०० सौ किलोमीटर से ऊपर की पैदल यात्रा होती है।जिसका सुभारंभ उत्तरकाशी जिले के मोरी विकासखंड के देवरा के कर्ण माहराज मन्दिर से होता है ।। दरवीर कर्ण महाराज द्वारा सम्पूर्ण सनातनी समाज और छेत्र की जनमानस की खुशहाली की प्रार्थना बाबा केदार से की जाती है ।। सिंगतुर पट्टी के सभी २५ गांवों के लोग आज भी महाभारत में किए गए कर्ण माहराज के दानवीर होने के वचन का पालन करते है ।। अभी तक भी यहां के लोग शादी बारात में दहेज नहीं लेते है ।। कन्या दान करते है ओर कर्ण माहराज मन्दिर में जब भी कोई अनुष्ठान होता है उस पर कर्ण माहाराज के द्वारा आज भी गौ दान और स्वर्ण दान किया जाता है।। प्रत्येक वर्ष की मकरसंक्रांति को महाभारत युद्ध के प्रतीक के तौर पर गेंदी मेले का भी आयोजन किया जाता है जो की उत्तराखंड में पौड़ी गढ़वाल ओर उत्तरकाशी के देवरा में मनाया जाता है ।।

यात्रा पूर्ण होने के बाद समापन के दिन मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा तथा कर्ण महाराज द्वारा ब्राह्मण, पुजारी,ठानी,और बाजगियो को दान भी दिया जाता है।

दानवीर कर्ण माहराज की पैदल यात्रा के लिए लिए उत्तराखंड के लोकप्रिय मुख्यमंत्री माननीय पुष्कर सिंह धामी जी और पुरोला विधायक श्री दुर्गेश्वर लाल ने हर सम्भव मदद का भरोसा दिया है। साथ में पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड सरकार श्री अशोक कुमार की ओर से भी हर सम्भव सुरक्षा की बात कही गई है।

– लोकेंद्र सिंह बिष्ट

स्वामी रामप्रकाश चौरिटेबल हास्पिटल में हुई निःशुल्क हिप ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी

हरिद्वार (कासं)। स्वामी विवेकानंद हेल्थ मिशन सोसाइटी ने नर सेवा-नारायण सेवा की राह पर अग्रसर होते हुये हरिद्वार स्थित स्वामी रामप्रकाश चौरिटेबल हास्पिटल द्वारा 23वर्ष के एक नौजवान युवक की सफल हिप ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी कर एक नई मिसाल पेश की है। ये सर्जरी पूरी तरह निःशुल्क की गई।

उपरोक्त जानकारी देते हुये अस्पताल के निदेशक डा. प्रवीण कुमार रेड्डी ने बताया कि रुड़की के रामनगर नई बस्ती निवासी छोटू जो कि मजदूरी कर अपना परिवार चलाते हैं

जिसका कि दो साल पहले हुए एक एक्सिडेंट में कूल्हे की हड्डी टूट गई और वे बिस्तर पर आ गए, बीते दो सालों से उन्हें इलाज को लेकर संघर्ष करना पड़ रहा था क्योंकि हिप सर्जरी का इलाज महंगा होता है। ऐसे में छोटू का परिवार उन्हें लेकर हरिद्वार के स्वामी रामप्रकाश चौरिटेबल हास्पिटल पहुंचा। छोटू की माली हालत को देखते हुये उसका निःशुल्क इलाज कराने का आश्वासन उसके परिजनों को दिया। इसी क्रम में छोटू की सर्जरी मेरठ के सुप्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ और एलएलआरएम मेडिकल कालेज के विभागाध्यक्ष डा. ज्ञानेश्वर टोंक की अगुवाई में की गई। उनके साथ स्वामी रामप्रकाश चौरिटेबल हास्पिटल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. चिराग वडेरा, दिल्ली के डा. प्रियंक अग्रवाल एवं रुड़की के हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. नवीन अग्रोही भी मौजूद रहे । सर्जरी के दौरान एनेसथिसिया विशेषज्ञ डा. सुधी ने भी अपना अमूल्य योगदान दिया। उधर, महाप्रबंधक सुश्री निधि धीमान ने बताया कि स्वामी रामप्रकाश चौरिटेबल हास्पिटल में 22 मई को सुपर स्पेशलिटी कैंप का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ सुरजीत सिंह पवार (डिप्टी कमांडेंट 40वीं वाहिनी पीएसी), मेरठ के जाने-माने हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. ज्ञानेश्वर टोंक एवं अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक एवं मेडिकल डायरेक्टर डा. संजय शाह द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन करके किया गया। कैंप में डा. अतुल खंडेलवाल (यूरो सर्जन), डा. नितिन वर्मा (गैस्ट्रोएंटेरोलाजिस्ट), डा. आलोक कुमार (त्वचा रोग विशेषज्ञ), डा. अनिल शर्मा (नेत्र रोग विशेषज्ञ), डा. नवीन अग्रोही (हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ) ने अपनी सेवाएं दीं। सुश्री निधि धीमान ने बताया कि कैंप में कुल 209 मरीजों ने अपना रजिस्ट्रेशन दर्ज करा कर विशेषज्ञों से परामर्श कर लाभ उठाया।

अच्छी नींद से लेकर डैंड्रफ खत्म करने में लाजवाब है संतरे के छिलके

भारत में संतरे खाना लोगों को बहुत पसंद होते हैं और यहाँ यह फल शौक से खाया जाता है। जी दरअसल इसका खट्टा-मीठा स्वाद होता है जो हर किसी को अपनी ओर खिंच लेता है। इसी के साथ इसमें मौजूद विटामिन सी, कैल्शियम और फोलेट सेहत के लिए लाभकारी है। वैसे इसके अंदरूनी फल को तो हम खा लेते हैं, लेकिन छिलका हम कूड़ेदान में फेक देते हैं। वैसे इसके छिलके के भी कई फायदे हैं जिसके बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं।

स्किन के लिए अच्छा- संतरे का छिलका हमारी त्वचा के लिए किसी वरदान से कम नहीं होता। जी हाँ और अगर आपकी स्किन ऑयली है तो ये किसी औषधि से कम नहीं है। केवल यही नहीं बल्कि इसके पाउडर को शहद में मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें और चेहरे पर लगाएं। ऐसा करने से चेहरे पर ग्लो आ जाएगा और दाग घब्बे भी दूर हो जाएंगे।

नींद- अगर आपको अच्छी नींद नहीं आती तो इसके लिए संतरे के छिलके को पानी में डालकर गर्म कर लें और फिर इसे पी जाएं।

इम्यूनिटी बूस्ट- संतरे के छिलको में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो इम्यूनिटी बूस्ट करने का काम करते हैं। जी हाँ और इसके लिए संतरे के छिलके को गर्म पानी में धोकर खा सकते हैं।

बालों का कंडीशनर - आज के समय में लोग केमिकल युक्त कंडिशनर लगाते हैं, लेकिन आप छिलके को भी कंडीशनर बना सकते हैं। इसके लिए संतरे के छिलके को सुखाकर पाउडर बना लें, फिर उसमें शहर मिक्स कर लें और सिर पर लगा लें। कुछ देर धोने के बाद बाल शाइनी हो जाएंगे।

डैंड्रफ खत्म- इसके लिए संतरे के छिलके को सुखाकर अगर आप पाउडर तैयार कर लें और फिर इसमें नारियल के तेल को मिक्स करें। अब इस मिक्सचर को बालों में लगा डाले।

सुहाना खान के डेब्यू पर शाहरुख खान ने क्या दी नसीहत

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान अपने करियर की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह से तैयार हो चुकी हैं और बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपना डेब्यू फिल्म द आर्चीज कर रही हैं। ऐसे में पिता के रुप में शाहरुख खान ने बेटी को काम और व्यवहार को लेकर सलाह दी है, साथ में सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया है। एक्टर शाहरुख ने सोशल मीडिया पर फिल्म द आर्चीज का एक पोस्टर साझा किया है साथ ही अपनी बेटी के लिए एक हार्दिक नोट लिखा और बेटी को एक अभिनेत्री के रूप में दयालु बनने के लिए कहा।

शाहरुख ने लिखा, और याद रखें सुहाना खान, आप कभी भी पूर्ण नहीं होने जा रही हैं .. आपका जो हिस्सा पर्दे पर पीछे छूट जाता है, वह हमेशा आपका रहेगा.. आप एक लंबा सफर तय कर चुके हैं.. बेबी..लेकिन लोगों के दिल तक जाने का रास्ता अंतहीन है.. आगे बढ़ें और ज्यादा से ज्यादा मुस्कुराएं जैसा आप कर सकती हैं। अब होने दें.. लाइट, कैमरा और एक्शन। अब इस फिल्म की इसी नाम की मशहूर कॉमिक सीरीज से रूपांतरित हुई आर्चीज का खुलासा हो गया है।

जोया अख्तर और रीमा कागती की टाइगर बेबी फिल्म्स द्वारा निर्मित फिल्म में बी-टाउन के कुछ सबसे चर्चित चेहरों के बच्चे दिखाई देंगे। सुहाना के अलावा, कलाकारों में अगस्त्य नंदा, जो अमिताभ बच्चन और जया बच्चन के पोते हैं, फिल्म में दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर भी शामिल हैं। इसके अलावा, फिल्म में मिहिर आहूजा, डॉट, युवराज मेंडा और वेदांग रैना भी मुख्य भूमिकाओं में होंगे। ये सब इस फिल्म के खास किरदार है, और कॉमिक्स के प्रिय किरदार निभाएंगे। 1960 के दशक पर आधारित द आर्चीज एक म्यूजिकल ड्रामा है, जिसका प्रीमियर नेटफ्लिक्स पर होगा।

शब्द सामर्थ्य -076

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

1		■	2	■	3		4	
	■	5			■	■		■
6				■	7	8		9
	■		■	10			■	
■	11				■	12		
13		■	■	14	14ए		■	■
	■	15				■	16	■
	■		■		■	17		18
■	19			■	20			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 075 का हल

खा	म	खां	■	■	इं	■	■	■
स	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	च	ढ़ा
त	■	■	स्ब	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	र्दा	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नौ	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	बा	द	ल

निकम्मा का ट्रेलर रिलीज, शिल्पा शेट्टी के लिए एक्शन अवतार में दिखे अभिमन्यु दसानी

करोनाकाल के बाद अगर हम मनोरंजन की बात करें तो इस साल दर्शकों के लिए एक के बाद एक फ़िल्म देखने की बहार लग गई है। बहरहाल, एक और बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आउट हो गया है। हम बात कर रहे हैं अभिमन्यु दसानी और शर्ली सेतिया की अपकमिंग फिल्म निकम्मा की। ट्रेलर में शिल्पा को अवनि के किरदार में दिखाया गया है, जो उनके द्वारा पहले निभाए गए किरदारों से काफी अलग लगता है। उन्हें एक सुपर वुमन के रूप में भी देखा जाता है। सिर्फ इतना ही नहीं, ट्रेलर प्यार, एक्शन, डांस और इमोशन से भरपूर है।

2020 से सुर्खियां बटोर रही यह फिल्म पूरी तरह से बॉलीवुड मसाला एंटरटेनर है। यह गायिका शर्ली सेतिया की पहली फिल्म होगी। ट्रेलर की शुरुआत सबसे पहले अभिमन्यु के एक फ्री-माइंड बॉय के रूप में होती है लेकिन बाद में वह जिम्मेदार हो जाता है और फिल्म में शर्ली के साथ उनकी केमिस्ट्री देखना बहुत अच्छा होगा। इस बीच, सबसे ऊपर, 2000 का लोकप्रिय नंबर, निकम्मा किया इस दिल ने एक को नए वर्जन के साथ वापिस गया गया है। फिल्म में अभिमन्यु और शर्ली एक-दूसरे के प्यार में पड़े नजर आएंगे, और वहीं एक ग्लैम विलेन के रूप में शिल्पा के चरित्र ने हमारी उत्सुकता को बढ़ा दिया है। अब, क्रेडिट विवरण पर आते हुए, सोनी पिक्चर्स इंटरनेशनल प्रोडक्शंस और सब्बीर खान फिल्म्स ने फिल्म को फाइनेंस और निर्मित किया। फिल्म सब्बीर खान द्वारा निर्देशित है और 14 साल के लंबे समय के बाद शिल्पा की सिल्वर स्क्रीन पर वापसी है। इसके अलावा, निकम्मा 17 जून 2022 को सिनेमाघरों में हिट होने के लिए तैयार है।

नयनतारा की अपकमिंग फिल्म ओ 2 का धमाकेदार टीजर रिलीज

मशहूर एक्ट्रेस नयनतारा फिल्म ओ 2 के साथ वापसी कर रही हैं। फिल्म का दमदार टीजर रिलीज हो गया है। ओ 2 जीएस विकनेश द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म का टीजर सोमवार को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर जारी किया गया।

टीजर बेहद दिलचस्प है। टीजर में नयनतारा और अन्य लोग बस में सवारी करते हुए नजर आ रहे हैं। यह बस बरसाती मौसम के कारण गहरी खाई में गिर जाती है। कहानी इस बात के इर्द-गिर्द घूमती है कि बस में सवार लोग स्थिति को कैसे संभालते हैं।

ड्रीम वारियर पिक्‍चर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में ऋत्विक ने अहम भूमिका निभाई है। इस फिल्म का संगीत विशाल चंद्रशेखर द्वारा तैयार किया गया है। फिल्म तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषा में रिलीज की जाएगी।

फिल्म एजेंट की रिलीज डेट को लेकर मेकर्स ने दी सफाई

साउथ फिल्मों के अभिनेता अखिल अक्किनेनी एक्शन-थ्रिलर फिल्म एजेंट में नजर आने वाले हैं, जिसका निर्देशन सुरेंद्र रेड्डी कर रहे हैं। अब इस फिल्म को लेकर चल रही अफवाहों पर विराम लगाने के लिए मेकर्स ने एक अपडेट जारी किया है। फिल्म के निमार्ता अनिल सुनकारा ने सोशल मीजिया पर ट्वीट किया है, एजेंट का शेड्यूल मनाली में शुरू हो रहा है। इसके साथ ही एक टीजर अपडेट जल्द ही रिलीज होगा। अपडेट के लिए, केवल ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर जाएं। कृपया सभी अफवाहों पर ध्यान न दें।आपको बता दे इस फिल्म को लेकर पिछले कुछ दिनों से अफवाहें फैल रही हैं कि एजेंट 12 अगस्त को रिलीज नहीं होगी। निमार्ताओं ने कहा है कि फिल्म वर्तमान में शेड्यूल के अनुसार चल रही है, उन्हें यकीन है कि वे वादे के अनुसार फिल्म को समय पर रिलीज करने का प्रबंधन कर सकते हैं। साक्षी वैद्य जासूसी थ्रिलर में अखिल के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी। फिल्म एजेंट में मलयालम सुपरस्टार ममूटी भी हैं, जो अहम भूमिका में नजर आएंगे।

प्रोजेक्ट के के लिए प्रभास ने शुरू की शूटिंग

प्रोजेक्ट के में प्रभास का निर्देशन कर रहे नाग अश्विन फिल्म पर एक रोमांचक अपडेट देते हैं। फिल्म के निर्देशक नाग अश्विन, जिन्होंने प्रभास के एक प्रशंसक को जवाब देते हुए खुलासा किया कि प्रोजेक्ट के की टीम ने अभी एक नया शेड्यूल पूरा किया है। एक ट्वीट ने नाग अश्विन को प्रभास की फिल्म की याद दिला दी। नाग अश्विन ने उनके ट्वीट का जवाब दिया, मुझे याद है। हमने अभी-अभी एक शेड्यूल तैयार किया है जिसमें प्रभास का इंट्रो शॉट शामिल है। शूट में वह बहुत रिलैक्स दिख रहे हैं।नाग अश्विन ने कहा-हम जून में फिर से शूटिंग शुरू करेंगे। क्योंकि हमारी फिल्म बाद में रिलीज होगी, मुझे विश्वास है कि लगातार अपडेट के लिए और समय होगा।लेकिन चिंता न करें, हम इस प्रोजेक्ट में बहुत प्रयास कर रहे हैं। प्रोजेक्ट के में प्रभास का लव इंटरेस्ट दीपिका पादुकोण हैं। अमिताभ बच्चन और दिशा पटानी अहम भूमिका निभाते हैं। वैजयंती मूवीज फिल्म को नियंत्रित कर रही है, जो वीएफएक्स पर भारी होने का अनुमान है। संगीत मिकी जे मेयर ने कंपोज्ड किया है। प्रभास वर्तमान में केजीएफ फेम प्रशांत नील के तहत निर्देशित अपनी अगली सालार की शूटिंग कर रहे हैं।

फिल्म लक्ष्मण लोपेज में नजर आएंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

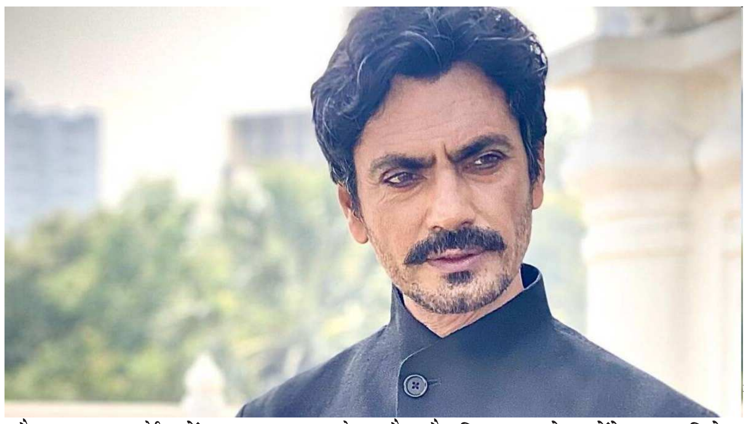

भारतीय अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी नई यूएस इंडी फिल्म लक्ष्मण लोपेज में अपनी एक्टिंग का जादू दिखाने के लिए तैयार हैं, इस फिल्म में मुख्य भूमिका में एक्टर नजर आएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, यह फिल्म एक क्रिसमस-थीम वाली फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन मेक्सिको के रॉबटरे जिरॉल्ट द्वारा किया जाएगा, जिन्होंने इस फिल्म से पहले 2017 की ला लेयेंडा डेल डायमांटे, 2015 की लॉस अबोर्लेस मुएरेन डी पाई और 2009 की एल एस्टुडिएन्ट सहित स्थानीय हिट के निर्देशक हैं।

इस फिल्म का नेतृत्व न्यूयॉर्क स्थित इमेजिन इनफिनिट प्रोडक्शंस द्वारा किया जा रहा है, फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत में शुरू होगी।

जल्द ही फिल्म की दूसरी कास्टिंग के बारें में जानकारी दी जाएगी, वहीं इस फिल्म के निर्माता ललित भटनागर हैं, जो हॉरर प्रोजेक्ट लिटिल डार्लिंग के लेखक और सह-निर्माता रहे हैं।

खैर अभी की बात करें तो भारतीय और राइट्स मार्केट में भारत सरकार के प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में कान समारोह में हैं, जहां पर भारत का नाम सम्मान के रुप में ऐसे पहली बार आया है।

अपनी इस फिल्म को लेकर अभिनेता का कहना है, फिल्म की कहानी मुझे बहुत पसंद आई, ने मुझे कई कारणों से उत्साहित किया था। मुझे ऐसा ख्याल आया कि पहली बार ऐसे क्रिसमस फिल्म में काम करने का अवसर बहुत होगा, लेकिन कहानी अच्छी है तो मुझे अच्छा लग रहा है। वहीं इस फिल्म के निर्देशक रॉबटरे जिरॉल्ट ने है, और जिस तरह से उन्होंने एक अभिनेता के लिए नए पक्षों का खुलासा किया है, यह एक स्वागत योग्य चुनौती है जिसके लिए मैं अक्सर तरसता हूं। सबसे महत्वपूर्ण बात लक्ष्मण लोपेज नाम ने मुझे तुरंत उत्सुक कर दिया। इस फिल्म को लेकर निर्देशक रॉबटरे जिरॉल्ट जिरॉल्ट ने कहा, मैं इस सहयोग को लेकर बहुत उत्साहित हूं। यह स्क्रिप्ट मेरे दिल के करीब है और कहानी के बदलाव और मुख्य किरदार के सामने आने वाली चुनौतियों से निश्चित रूप से हर कोई आकर्षित होगा।

सानी कायधाम को मिले रिव्यू से बेहद खुश है निर्देशक अरुण मथेश्वरन

प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई सानी कायधाम को शानदार रिव्यू मिल रहे हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश नजर आ रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन अरुण मथेश्वरन ने किया है।

फिल्म को मिल रही सफलता को लेकर निर्देशक अरुण मथेश्वरन कहते हैं, एक फिल्म निर्माता के रूप में, हम उन कहानियों को बताने का सपना देखते हैं जो हमारे भीतर हैं। मैं स्क्रीन सीन मीडिया और अपनी टीम का आभारी हूं। जिन्होंने इस फिल्म में बहुत मेहनत से काम से किया है। फिल्म के लिए हमें जो प्रतिक्रिया मिल रही है, वह जबरदस्त है। मुझे फिल्म को लेकर इस तरह की उम्मीद नहीं थी।

स्क्रीन सीन मीडिया एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित सानी कायधाम का वर्ल्ड प्रीमियर 6 मई को प्राइम वीडियो पर हुआ था।

स्क्रीन सीन मीडिया एंटरटेनमेंट के प्रबंध निदेशक, सुंदर अरुमुगम कहते हैं, सानी कायधाम को मिल रही सराहना से हम सभी बहुत खुश हैं। निर्देशक अरुण मथेश्वरन, मुख्य कलाकार कीर्ति सुरेश और सेल्वाराघवन और पूरी टीम की कड़ी मेहनत सभी प्रशंसा के पात्र हैं।

सानी कायधम का निर्देशन अरुण मथेश्वरन ने किया है। फिल्म में कीर्ति सुरेश और सेल्वाराघवन की जोड़ी है।

फिल्म में कीर्ति सुरेश ने पोन्नी का किरदार निभाया है। वहीं सेल्वाराघवन संगैया के रोल में है।

फिल्म की कहानी में पोन्नी एक कांस्टेबल के रूप में काम करती है और अपनी पांच साल की बेटी धन्ना और पति मारी के साथ रहती है। उसका पति एक चावल मिल में कुली के रूप में काम करता है। एक रात उसकी जिंदगी में भूचाल आता है, उसकी जिंदगी पलट जाती है। अपने साथ हुए अन्याय का बदला लेने के लिए, वह संगैया की मदद लेती है। इस बीच एककड़वा अतीत सामने आता है।

यह फिल्म तेलुगु में चिन्नी और मलयालम में सानी कायधाम के नाम से स्ट्रीम हुई है।

कॉमेडी शो को लेकर मैं उत्साहित हूं : अनुपमा सोलंकी

अब से पहले चीकू की मम्मी में नजर आ चुकीं टेलीविजन अभिनेत्री अनुपमा सोलंकी जल्द ही मैडम सर शो में नजर आएंगी और इसे लेकर अभिनेत्री काफी उत्साहित हैं।

इस शो में अपने किरदार को लेकर अभिनेत्री ने कहा है, मेरे नए प्रोजेक्ट का नाम मैडम सर है और यह एक कॉमेडी शो है। मैं एक केंद्रीय किरदार निभा रही हूं और यह मेरे जीवन में पहली बार है कि मैं एक कॉमेडी शो का हिस्सा बनूंगी, इसलिए मैं बहुत उत्साहित हूं।

अभिनेत्री आगे कहती हैं, इस शो में, मैं एक विज्ञापन कंपनी में काम कर रही हूं और मेरा किरदार विज्ञापन शो का क्रिएटिव डायरेक्टर है। पूरी कहानी मेरे इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें हम दिखा रहे हैं कि कैसे महिलाएं अपने ऑफिस में समस्याओं का सामना कर रही हैं और उन्हें बहुत सारी कठिनाइयां दिखाई देती हैं। कहानी एक सीरीज से शुरू होती है कि कैसे मैं अपने बॉस के साथ अपनी नौकरी के लिए लड़ रही हूं।

भूमिका के बारे में बात करते हुए वह कहती हैं, यह पहली बार है, जब मैं एक सकारात्मक किरदार निभा रही हूं और मैं इसका भरपूर आनंद ले रही हूं, क्योंकि मैं हमेशा एक सकारात्मक किरदार करना चाहती थी। इस शो से पहले मैंने एक शो में काम किया था, जिसमें मैंने नकारात्मक भूमिका निभाई थी।

अभिनेत्री का कहना है कि टीवी पर स्टोरी, कला और दूसरी चीजें पिछले कुछ वर्षो में विकसित हुई हैं। इस बीच एक पीढ़ी का अंतर है जो आ गया है और वे तेज और त्वरित शो चाहते हैं। मेरा मतलब है कि कोई भी बहुत अधिक रहस्य या बहुत अधिक मधुर नाटक के साथ कहानी की तलाश नहीं कर रहा है। दर्शक बुद्धिमान और स्मार्ट हो गए हैं, वे आपकी अभिनय क्षमताओं को देखते हैं इसीलिए हमको बहुत मेहनत करने की जरूरत है।

अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करते हुए अनुपमा आगे कहती हैं, मेरी भविष्य की योजनाएं बहुत स्पष्ट हैं। मैं अधिक से अधिक धारावाहिक करना चाहती हूं, क्योंकि मुझे बचपन से ही टीवी धारावाहिकों का बहुत शौक रहा है। अगर मुझे फिल्मों में अच्छे किरदार मिलते हैं तो मैं निश्चित रूप से करूंगी, लेकिन अभी मेरा टारगेट सिर्फ सीरियल हैं। मुझे लगता है कि मैं बहुत क्रिएटिव और मेहनती हूं, इसीलिए मैं अपनी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल अपने लिए करना चाहती हूं। इसके अलावा मैं सीरियल करूंगी, ताकि मैं और सीख सकूं।

खाद्य सुरक्षा बनाम किसान का हित

अजीत द्विवेदी

केंद्र सरकार ने गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगाई तो खाद्य सुरक्षा बनाम किसान के हित की सनातन बहस फिर छिड़ गई। निर्यात पर पाबंदी का फैसला देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिहाज से किया गया एक अच्छा फैसला है लेकिन क्या यह फैसला किसानों को नुकसान पहुंचाने वाला है? कांग्रेस पार्टी ने यही कहते हुए फैसले का विरोध किया कि बढ़ते निर्यात का फायदा किसानों को हो रहा था लेकिन इस सरकार से यह देखा नहीं गया। कांग्रेस और कुछ अन्य कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि निर्यात बढ़ने से निजी कारोबारी न्यूनतम समर्थन मूल्य से ज्यादा कीमत पर गेहूं खरीद रहे थे और इसका फायदा किसानों को हो रहा था। दूसरी ओर सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ट्विट करके कहा है कि भारत में गेहूं का स्टॉक भरपूर है लेकिन भारत की खाद्य सुरक्षा और सस्ते अनाज की उपलब्धता सुनिश्चित करने और बाजार की अटकलों से निपटने के लिए सरकार ने निर्यात पर रोक लगाने का फैसला किया। कई कृषि विशेषज्ञ सरकार के इस तर्क का समर्थन कर रहे हैं।

तभी सवाल है कि क्या देश की खाद्य सुरक्षा और किसानों का हित अनिवार्य रूप से एक-दूसरे के विरोधी हैं? क्या देश के नागरिकों को सस्ता खाद्यान्न उपलब्ध कराने की नीति की वजह से किसानों को उनकी पैदावार का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है? क्या किसानों का हित सुनिश्चित करते हुए सरकार खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकती है? इन सवालों का जवाब बहुत सरल नहीं है। अगर सिर्फ तात्कालिक मामले को देखें तो कह सकते हैं कि सरकार ने खाद्यान्न सुरक्षा के लिहाज से निर्यात रोकने का अच्छा फैसला किया है। लेकिन सरकार चाहे तो किसानों को उनकी उपज की तय कीमत के ऊपर ज्यादा कीमत देकर उनके नुकसान की भरपाई कर सकती है। मिसाल के तौर पर सरकार अगर 2,015 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीद रही है तो प्रति क्विंटल एक निश्चित बोनस घोषित कर दे, जिससे किसानों के हित की भी रक्षा हो जाएगी।

ध्यान रहे मंडियों में निजी कारोबारी किसानों का अनाज एमएसपी के ऊपर कोई सौ-दो सौ रुपए ज्यादा देकर नहीं खरीद रहे हैं। निजी कारोबारी प्रति क्विंटल पांच से 15 रुपए तक ज्यादा भुगतान कर रहे हैं। ऐसे में अगर सरकार दो सौ रुपए प्रति क्विंटल बोनस दे तो किसानों को बड़ा लाभ होगा। सरकार ने अभी इस तरह का एक फैसला किया है। किसानों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने हरियाणा में 18 फीसदी तक सिकुड़ गए गेहूं की खरीद की मंजूरी दे दी है।

ध्यान रहे मार्च-अप्रैल में अचानक गर्मी में हुई बढ़ोतरी से पंजाब और हरियाणा दोनों जगह गेहूं के दाने 15 से 20 फीसदी तक सिकुड़ गए। इनकी खरीद नहीं होने से किसान परेशान हो रहे थे। क्वालिटी खराब होने के बावजूद अगर सरकार गेहूं की खरीद करती है और गर्मी की वजह से फसल को हुए नुकसान की भरपाई के लिए प्रति क्विंटल बोनस की घोषणा करती है तभी किसानों के हितों की रक्षा होगी।

अगर सरकार ऐसा नहीं करती है तो इसका मतलब होगा कि वह वोट की राजनीति के लिहाज से जरूरी खाद्यान्न सुरक्षा नीति पर ज्यादा ध्यान दे रही है और किसानों की अनदेखी कर रही है। ध्यान रहे सरकार इस समय प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश के 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को पांच किलो अनाज और एक किलो दाल मुफ्त दे रही है। इस योजना को सितंबर तक बढ़ा दिया गया है और यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि इसे 2024 के लोकसभा चुनाव तक चलाए रखना है। उसके लिए जरूरी है कि सरकारी अनाज गोदाम भरे रहें। निर्यात पर पाबंदी लगाने का पहला कारण तो यहीं है कि सरकार को मुफ्त अनाज योजना के लिए पर्याप्त गेहूं की जरूरत है। पैदावार 11 करोड़ टन के अनुमान से कम होने और सरकारी खरीद में 44 फीसदी की गिरावट आने के बाद सरकार के लिए जरूरी हो गया था कि वह निर्यात रोके। अन्यथा खुदरा बाजार में गेहूं और आटे की कीमत बेतहाशा बढ़ रही थी और सरकार को मुफ्त बांटने के लिए अनाज की उपलब्धता कम होने की चिंता सता रही थी। सो, उसने आनन-फानन में निर्यात रूकवा दिया। अच्छी बात है कि सरकार अपनी अनाज योजना को जारी रखे लेकिन साथ ही किसानों को हुए नुकसान की भरपाई करने के उपाय भी निश्चित रूप से करना चाहिए।

वह उपाय दो तरह से हो सकता है। पहला तो यह कि सरकार किसानों को हुए नुकसान का मुआवजा दे। उनकी उपज पर प्रति क्विंटल बोनस निश्चित करे। दूसरा तरीका यह है कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अनाज की बजाय सरकार नकद पैसा मुहैया कराए। जन वितरण प्रणाली के तहत पहले से जो सस्ता अनाज मिलता रहा है उससे ऊपर जो अनाज दिया जाता है उसके बदले अगर सरकार पैसा देती है तो लोग अपनी पसंद से खाने की चीजें खरीद सकते हैं। ध्यान रहे गेहूं की पैदावार कम होने से इसकी महंगाई बढ़ी है लेकिन दूसरे कई अनाज ऐसे हैं, जिनकी कीमत नहीं बढ़ी है। उस पैसे लोग दूसरे अनाज, दालें, दूध, अंडे आदि खरीद सकते हैं। इससे गेहूं और चावल पर से दबाव कम होगा। फिर निर्यात पर पाबंदी लगाने की जरूरत नहीं होगी। किसान खुले बाजार में एमएसपी से ज्यादा कीमत पर अनाज बेच सकेंगे।

बहरहाल, चाहे जिस तरीके से हो लेकिन सरकार को खाद्यान्न सुरक्षा और किसान के हित के बीच संतुलन बनाना होगा। सीधे निर्यात रोक देना कोई समाधान नहीं है। इस तरह के फैसलों से सरकार की नीतियों और उसकी सोच को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। सोचें, 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ बातचीत के दौरान कहा था कि अगर वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन, डब्लुटीओ मंजूरी दे तो भारत दुनिया का पेट भरने के लिए कल से निर्यात शुरू कर सकता है। उन्होंने दुनिया का पेट भरने वाली बात मई के पहले हफ्ते में हुई यूरोप की तीन दिन की यात्रा के दौरान भी दोहराई। लेकिन 13 मई को अचानक उनकी सरकार ने गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगा दी। वह भी ऐसे समय में जब गेहूं का सबसे बड़ा निर्यातक देश रूस युद्ध में उलझा है और यूक्रेन भी निर्यात नहीं कर पा रहा है। इस तरह के फैसले से सरकार की अगंभीरता झलकती है। जी-7 देशों के कृषि मंत्रियों ने इसके लिए सरकार की आलोचना भी की है और कहा है कि अगर सारे देश इसी तरह निर्यात रोकने का फैसला करने लगें तो पहले से चल रहा संकट और गहरा होगा।

सो, सरकार निर्यात रोकने की बजाय गेहूं का न्यूनतम निर्यात मूल्य तय कर सकती थी। इस तरह के और भी उपाय सोचे जा सकते थे, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की किरकिरी नहीं होती और घरेलू स्तर पर भी सामंजस्य बनता। नीतियों में अगर इसी तरह की एप्रोच रही तो आने वाले सीजन से निजी कारोबारी किसानों को एमएसपी के ऊपर ज्यादा मूल्य देकर फसल नहीं खरीदेंगे। वे सावधानी बरतेंगे, जिसका नुकसान किसानों को उठाना होगा। यह स्थिति हर फसल के मामले में हो सकती है क्योंकि जलवायु परिवर्तन की वजह से मौसम का मिजाज बिगड़ रहा है और सबको पता है कि भारत में खेती मॉनसून पर ही निर्भर है। इसलिए किसी भी सीजन में फसल खराब हो सकती है। तो क्या सरकार हर सीजन के मुताबिक निर्यात नीति बनाएगी? सो, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश में एक निश्चित निर्यात नीति हो, खाद्यान्न सुरक्षा की निश्चित नीति हो और किसानों के हितों की रक्षा करने की भी निश्चित नीति हो और इन तीनों में सामंजस्य हो।

सू- दोकू क्र.076

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.075का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

कांग्रेस: न नेता और न नीति

वेद प्रताप वैदिक

कांग्रेस का चिंतन-शिविर समाप्त हो गया लेकिन क्या वह उसकी चिंता समाप्त कर पाया? कांग्रेस की चिंता तो अब भी ज्यों की त्यों बनी हुई है। कांग्रेस की चिंता वास्तव में भारत के लोकतंत्र की भी चिंता है, क्योंकि सशक्त विरोधी दल के बिना कोई भी लोकतंत्र जल्दी ही प्रवाह पतित हो सकता है। वैसा लोकतंत्र बिना ब्रेक की मोटर गाड़ी बन जाता है। किसी भी पार्टी को सशक्त होने के लिए नीति और नेता की जरुरत होती है। हम देखें कि इस उदयपुर शिविर में से किस नीति का उदय हुआ है।

सोनिया गांधी ने कहा कि अब कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा चलाएगी। इस समय क्या भारत टूट रहा है? उसे जोड़ने की बजाय कांग्रेस को जोड़ना ज्यादा जरुरी है। कांग्रेस अंदर और बाहर दोनों तरफसे टूट रही है। स्वयं राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा है कि कांग्रेसी नेता हमेशा यही सोचते रहते हैं कि मुझे क्या मिला? (वैसे सोनिया, राहुल और प्रियंका को तो यह सोचने की जरूरत ही नहीं पड़ती है)। इसीलिए कांग्रेस हर प्रांत में अंदर से टूट रही है। मध्यप्रदेश में उसकी सरकार क्यों गिरी? राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्रियों की कुर्सियां क्यों डगमगाती रहती हैं? कांग्रेस के कई मुख्यमंत्री और मंत्री पार्टी छोड़कर विरोधी दलों में क्यों शामिल हो रहे हैं? इस वक्त कांग्रेस की सरकारें जिन प्रांतों में हैं, वे प्रांतीय नेताओं के दम पर टिकी हुई हैं।

इसीलिए राहुल गांधी का यह कहना तर्कसंगत नहीं लगता है कि भाजपा से सिर्फ अकेली कांग्रेस ही लड़ सकती है, वह एक मात्र अखिल भारतीय विरोधी पार्टी है और वह एक मात्र ऐसी पार्टी है, जिसके पास विचारधारा है। यहां कम्युनिस्ट पार्टी का जिक्र जरुरी नहीं है लेकिन क्या यह सत्य है कि देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा की कोई विचारधारा नहीं है? राहुल का कहना है कि भाजपा सिर्फ सत्तालोभी और देशतोड़ू पार्टी है। क्या कांग्रेस सत्तालोभी नहीं है?

भाजपा के पास तो सही या गलत, एक विचारधारा है लेकिन कांग्रेस के पास क्या है? न उसके पास गांधीवाद है, न समाजवाद है, न गरीबी हटाओ है और न ही च्महाशक्ति को महासंपन्न बनाओज् या च्महाशक्ति बनाओज् है। उसके पास सिर्फसत्तारुढ़ दलों की लचर-पचर आलोचना है, जो लोगों के सिर पर से निकल जाती है। उसके नेताओं को इस समय देश की नहीं, खुद की चिंता है। इसी चिंता ने इस महान पार्टी को अब प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बना दिया है। उसी की देखादेखी लगभग सभी प्रांतों में पारिवारिक पार्टियां खड़ी हो गई हैं। इस चिंतन शिविर में एक भी वक्ता की हिम्मत नहीं पड़ी कि वह इस पारिवारिक प्रपंच के विरुद्ध मुंह खोले। यह सुसंयोग है कि वर्तमान सत्तारुढ़ पार्टी अभी तक पारिवारिक प्रपंच में नहीं फंसी है, हालांकि वह भी लगभग उसी रास्ते पर चल पड़ी है। 50 साल से कम आयु के लोगों को प्रमुखता देने का इरादा तो ठीक है लेकिन उसमें से भी परिवारवाद की बू आ रही है।

ना कटे-फटे कपड़े, ना ही जींस टॉप बल्कि इस बार साड़ी पहन एयरपोर्ट पहुंचीं उर्फी जावेद

टीवी की मशहूर अदाकारा उर्फी जावेद का हर अंदाज प्रशंसकों को पसंद आता है। तथा इस बार तो उर्फी के एयरपोर्ट लुक ने चौन और करार दोनों लूट लिए हैं। एयरपोर्ट पर उर्फी जावेद साड़ी पहनकर पहुंचीं तो जिसने भी देखा उनको सुकून सा मिल गया। ना कटे-फ्टे कपड़े, ना ही जींस टॉप बल्कि इस बार एयरपोर्ट पर उर्फी जावेद साड़ी में दिखाई दीं। उर्फी पर ये साड़ी बहुत जंच रही है। वही फ्लावरी प्रिंट की इस साड़ी को पहन उर्फी और भी खूबसूरत हो गईं। और देखते ही देखते उर्फी के इर्द-गिर्द लग गया लोगों का मेला। उर्फी ने इस साड़ी को अच्छे तरीके से पहना तथा साड़ी को ग्लैमरस कैसे बनाया जा सकता है वो भी बता दिया। वहीं बातों ही बातों में उर्फी जावेद ने दे दिया पैपराजी को गिफ्ट। उन्होंने बोल दिया कि वो अपने जन्मदिन पर सभी फोटोग्राफर्स के लिए अपने डिजाइन किए हुए कपड़े देंगीं। उर्फी जावेद सोशल मीडिया की स्टार बन चुकी हैं वो जहां जाती हैं लोग उन्हें फॉलो करते हैं। उनकी फोटोज और वीडियो सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। तथा ये सब हुआ बिग बॉस ओटीटी के समय जिसमें उर्फी पहले सप्ताह में ही एलिमिनेट हो गई थीं। मतलब इस लिहाज से उर्फी ने शो में सिर्फ5-6 दिन ही गुजारे। मगर जब से वो घर से निकली हैं तभी से छाई हुई हैं। विशेष रूप से अपने ड्रेसिंग स्टाइल को लेकर छाई रहती हैं।

हजारों की धोखाधडी में बैंक प्रबंधक के खिलाफ मुकदमा

देहरादून (सं)। क्रेडिट कार्ड के नाम पर हजारों की धोखाधडी में एसबीआई बैंक प्रबंधक के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दून यूनिवर्सिटी रोड केदारपुर निवासी रश्मित नेगी ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका एसबीआई बैंक शाखा मोथरोवाला, में अपने पति के साथ एक सयुंक्त बचत खाता है, जिसमें उसके पति की आर्मी से पेंशन आती है। सितम्बर 2020 में उसके मोबाइल न पर किसी स्नेहा रयाल का फोन आया तथा जिसने उसको कहा कि वह एसबीआई बैंक शाखा मोथरोवाला से बोल रही है क्या वह अपना क्रेडिट कार्ड बनवाना चाहती है उसने मना कर दिया परन्तु स्नेहा रयाल द्वारा उसको कहा गया कि वह बैंक कर्मचारी है क्रेडिट कार्ड के इस्तेमाल से आपको नगद रूपये लाने लेजाने का खतरा नहीं रहेगा आप आसानी से खरीदारी कर सकते है और आप बैंक की पुरानी कस्टमर है इसलिये आपको बैंक की तरफ से क्रेडिट कार्ड निशुल्क एवं बिना किसी वार्षिक शुल्क के दिया जा रहा है। प्रार्थिनी का उस पर विश्वास हो गया। उसने बैंक जानकार आवेदन कर दिया। आवेदन पत्र के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज स्नेहा रयाल जो कि बैंक में ही थी उसे सौंप दिये।जिसके बाद उसके पास क्रेडिट कार्ड एजेंटो के फोन आने लगे तो उसने परेशान होकर बैंक में जाकर अपना आवेदन निरस्त करने के लिए कहा। लेकिन कुछ दिनों बाद डाक से उनके यहां क्रेडिट कार्ड भेज दिया गया। उसने जब बैंक से सम्पर्क कर कहा कि उसने जब क्रेडिट कार्ड के लिए मना किया तो क्यों भेजा गया। तब उसको आश्वासन दिया गया कि उनकी रिक्वेस्ट हैड आफिस भेज दी गयी है और उनका क्रेडिट कार्ड निरस्त हो जायेगा। लेकिन उसके बाद विभिन्न तिथियों में उसके क्रेडिट कार्ड से लगभग 46 हजार रूपये की खरीददारी हुई है। उसके सा थ क्रेडिट कार्ड के नाम पर धोखाधडी में बैक प्रबंधक व कर्मचारियों की मिली भगत है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

म्युचल फण्ड के नाम पर किया इंश्योरेंस

देहरादून (सं)। बैंक कर्मचारी ने म्युचल फण्ड के बदले पचास हजार का मेटलाईफ इंश्योरेंस कर दिया। पीडित ने साईबर थाने व एसएसपी से गुहार लगायी। प्राप्त जानकारी के अनुसार आनन्द चौक निवासी नरेन्द्र सिंह रावत ने साईबर सेल व एसएसपी कार्यालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसका खाता पंजाब नेशनल बैंक तिलक रोड की शाखा में है। उसने बताया कि उसने पचास हजार रूपये का म्युचल फण्ड कराने के लिए बैंक गया था। लेकिन बैंक कर्मचारी द्वारा उसके पैसे पीएनबी मेटलाईफ इंश्योरेंस में लगा दिये। जब उसको इस बात का पता चला तो वह बैंक में गया तथा वहां पर मौजूद महिला कर्मचारी से उसने उसकी धनराशि को म्युचल फण्ड में ना लगाने के बारे में पूछा तो महिला कर्मचारी ने उसको धमका दिया कि वह सरकारी कर्मचारी है तथा उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करा देगी। जो होना था हो गया अब कुछ नही हो सकता है। उसने एसएसपी व साईबर थाना पुलिस ने उसके लाईफ इंश्योरेंस से पैसा वापस कराने की गुहार लगायी।

राज्य सरकार चल रही है भू माफियाओं के इशारों पर: ध्यानी

देहरादून (नसं)। राज्य बनने के बाद उत्तराखंड मे शहरीकरण की दर अन्य हिमालयी राज्यों के सापेक्ष सैकड़ों गुना हुआ हैं। लगातार अभी तक की सरकारें नगर निगम, नगरपालिकाओं तथा नगर पंचायतों का गठन कर या इनकी सीमाओं को बढाकर ग्रामीण संस्कृति को नष्ट कर रही हैं। लाजमी हैं कि ग्रामीण क्षेत्र को निकायों मे शामिल कर ग्राम समाज की जमीनों पर भू माफियाओं के कब्जे तथा शहरी भूमि बनाकर बिल्डरों, कारपोरेट के लिए रास्ता बना रही हैं। मीडिया को जारी बयान के माध्यम से यह बात उक्रांद के पूर्व केन्द्रीय महामंत्री सुनील ध्यानी द्वारा कही गयी। उन्होने कहा कि अभी हाल मे नगर पंचायतों, जो नए सर्जित हुए हैं वहा पर बड़ा खेल सरकारी जमीनों का चल रहा है, जिसमें राजस्व विभाग से लेकर सरकार के नुमाइंदे तथा सफेदपोश कब्जा करने मे शामिल हैं। यह खेल उत्तराखंड मे सबसे ज्यादा चल रहा हैं, एक तरफ धामी सरकार अवैध भू कब्जे को लेकर तुरम खां बनी हुई हैं दूसरी तरफ नए निकाय जो अस्तित्व मे आये हैं वहाँ कि भूमि का हस्थानातरण कि प्रक्रिया अधर मे हैं, उसमें भी भू माफियाओं का खेल हो जाने पर सरकार तब चेतेगी। इससे स्पष्ट होता हैं कि वर्तमान सरकार खनन, शराब, शिक्षा तथा भू माफियाओं को संरक्षण दे रही है।

यात्रा पर मौसम का ब्रेक...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

अप्रिय घटना की सूचना नहीं है लेकिन राजधानी दून, हरिद्वार, टिहरी, बागेश्वर, नैनीताल और उत्तरकाशी व चमोली, रुद्रप्रयाग जिलों में बारिश की खबरें हैं जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राज्य में कल तक मौसम खराब रहने की बात कही गई है।

पंजाब में कार लूट कर भागे दो सगे भाई हरिद्वार में गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पंजाब से कार लूट कर भागे दो बदमाशों को पुलिस ने कल देर शाम पंतद्वीप पार्किंग से गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार बदमाश सगे भाई है जिन्होने अपने तीन साथियों के साथ 19 मई की रात कार लूट की घटना को अंजाम दिया गया था।

जानकारी के अनुसार बीते रोज अंबाला पुलिस द्वारा हरिद्वार कोतवाली नगर पुलिस को सूचना दी गई थी कि 20 मई को अरुण कुमार पुत्र सुभाष चंद निवासी शिमला द्वारा मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया गया कि 19 मई को जब मैं चंडीगढ़ जा रहा था तब रास्ते में 4 लडको द्वारा उनकी कार को रोककर चाकू की नोक पर मुझसे कार लूट ली गयी और वह फरार हो गए। बताया गया कि उक्त लूटी हुई कार इस समय आपके ही क्षेत्र में है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए चौकी प्रभारी रोडिबेलवाला मय फोर्स के तत्काल पार्किंग में पहुंचे, जहा लूटी हुई कार खड़ी पायी गयी। कार में ही कुछ व्यक्ति मौजूद मिले जिन्हे घेर कर पकड़ा गया।

जिन्होने पूछताछ में अपना नाम विकाश पुत्र मांगेराम निवासी मुनक करनाल व आशु पुत्र मांगेराम बताया। बताया कि उन्होने अपने 3 अन्य साथियों के साथ उक्त कार को चंडीगढ़ हाईवे पर एक व्यक्ति से लूटा है। बहरहाल पुलिस ने उन्हे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है। बदमाशों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में निरीक्षक राकेंद्र कठैत, उप निरीक्षक अंशुल अग्रवाल, कॉन्स मुकेश चौहान, अरविंद नेगी, अनिल कंडारी व शिवराज शर्मा शामिल रहे।

5000 का ईनामी बदमाश गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। लम्बे समय से फरार चल रहे 5000 रूपये के ईनामी बदमाश को पुलिस ने आज सुबह गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह थाना झिरौली पुलिस को सूचना मिली कि बीते लम्बे समय से फरार चल रहा पांच हजार का ईनामी बदमाश मनोज सिंह घनोला पुत्र नंदन सिंह निवासी बिलौना अपने घर पर आया हुआ है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए थाना झिरौली पुलिस ने बदमाश मनोज सिंह के घर दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी बदमाश काफी समय से फरार था और अपनी गिरफ्तारी से बचने का प्रयास कर रहा था।

फर्जी एग्रीमेंट बना 50 लाख की मांग करने पर मुकदमा

देहरादून (सं)। फर्जी एग्रीमेंट बनाकर 50 लाख रूपये मांग करने व झूठे मुकदमें में फंसाने की धमकी में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार दर्शनी गेट निवासी सन्नी अग्रवाल ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया किवह अपने रिश्तेदार प्रदीप अग्रवाल निवासी कर्जन रोड़, देहरादून के साथ व्यापार करता है। प्रदीप अग्रवाल के नाम वर्ष 2021-22 व 2022-23 के लिये विदेशी मन्दिरा का आवंटन हुआ था, जिसके पश्चात् उसकी अश्वनी गर्ग से मुलाकात हुयी थी अश्वनी द्वारा उपरोक्त व्यापार में 25 प्रतिशत की हिस्सेदारी की गयी थी. उपरोक्त फर्म में उसे व अन्य सभी व्यक्तियों को हानि पहुँची थी। कुछ समय पश्चात् अश्वनी द्वारा उसपर नाजायज दबाव बनाने के लिये झूठा व मिथ्या प्रार्थनापत्र थाना-सहसपुर की चौकी-धर्मावाला में प्रस्तुत किया गया था, जिसके पश्चात् धर्मावाला पुलिस द्वारा बिना प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज किये व बिना वारण्ट के गैर कानूनी रूप से उसके घर 23 जनवरी को आयी और उसको जबरदस्ती अपने साथ ले गयी। जब वह पुलिस के साथ धर्मावाला चौकी पहुँचा तो वहां पर पूर्व से अश्वनी गर्ग मौजूद था. तथा पुलिस द्वारा उसको डराकर बताया गया कि लेन-देन के सम्बन्ध में इनके द्वारा एक प्रार्थनापत्र दिया गया है, तथा आप लोगो के मध्य पैसे के सम्बन्ध में एक लोन-एग्रीमेंट भी हुआ है अगर तुम इनके पैसे नहीं लौटाते तो तुम्हारे विरुद्ध एक मुकदमा दर्ज करना पड़ेगा। उसके व अश्वनी के मध्य कोई भी ऐसा एग्रीमेंट कभी भी सम्पादित नहीं हुआ और न ही उक्त एग्रीमेंट पर उसके हस्ताक्षर है। इसकी जांच होनी चाहिए। अश्वनी गर्ग द्वारा उसपर दबाव बनाकर पचास लाख रूपये की मांग की जा रही है। उसने एसएसपी देहरादून से भी शिकायत की लेकिन पुलिस ने उसके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चाकू से जानलेवा हमले में तीन नामजद

संवाददाता

देहरादून। चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मोरोवाला निवासी मौहम्मद कासीम ने पटेलनगर कोतवाली में दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पुत्र आसिफ अली व आसिफ का दोस्त दानिश दोनो किसी कार्य से आईएसबीटी गये थे। वहां पर यह दोनो चाय पी रहे थे उसी दुकान पर दो लडकिया चाय पीने आयी जिन्हे देखकर वहां पर पहले से मौजूद 3-4 लडके छिटाकसी करने लगे जिस पर आसिफ व उसके मित्र दानिश ने उसका विरोध किया तो उक्त लडकों मे झगडा गाली ग्लौज शुरू कर दी लडको द्वारा उसके पुत्र आसिफ व उसके मित्र दानिश पर जान से मारने की नीयत से चाकू व अन्य धारदार हथियारों से हमला कर दिया तथा मेरे पुत्र आसिफ की पीठ पर एक बडा चाकू घुसा दिया उक्त हमले मे उसका पुत्र गम्भीर रूप से घायल हो गया व उसके मित्र दानिश को भी चोटें आयी मारपीट व झगडे को देखकर मौके पर अन्य लोग भी आ गये जिसके बाद उसके पुत्र को वहां पर उपस्थित अन्य लोगों द्वारा उसके पुत्र को वेलमेड अस्पताल मे भर्ती कराया जहां डाक्टरों ने आपरेशन से चाकू को शरीर से बाहर निकाला जहां उसके पुत्र की स्थिति नाजुक बनी हुयी है ये तीनों एक दूसरे को सुमित डोभाल, विशाल व सागर कुमार के नाम से पुकार रहे थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एक नजर

किरीट सोमैया की पत्नी ने संजय राउत को भेजा 100 करोड़ का नोटिस!

मुंबई। शिवसेना नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत की मुश्किलें बढ़ सकती है। बीजेपी नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा किरीट ने संजय राउत पर मानहानि का दावा करते हुए १०० करोड़ का नोटिस भेजा है। बीजेपी नेता की पत्नी ने ये कथित टॉयलेट घोटाले में नाम घसीटने पर मानहानि का मुकदमा दायर किया है। मेधा किरीट इससे पहले राउत के खिलाफ मुलुंड थाने में मानहानि की शिकायत दर्ज करवा चुकी हैं। बीजेपी नेता ने आरोप लगाया है कि राउत ने बिना किसी सबूत के उनकी पत्नी और परिवार को

बदनाम करने के लिए शौचालय घोटाले में उनका नाम घसीटा है। इससे पहले किरीट सोमैया पर ५७ करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का केस भी चल रहा है। किरीट सोमैया पर आरोप है कि उन्होंने आईएनएस विक्रांत को बचाने के लिए फंड जुटाया था लेकिन उस फंड का गलत इस्तेमाल हुआ। इस मामले में ५३ साल के एक पूर्व फौजी की शिकायत पर किरीट दंपती व उनके पुत्र के खिलाफ मुंबई के एक थाने में केस दायर किया गया है। किरीट दंपती को हाईकोर्ट ने इस मामले में अंतरिम राहत दी है।

ट्रक पटलने से आठ मजदूरों की मौके पर मौत, आठ अन्य घायल

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया जिले के जलालगढ़ थाना क्षेत्र के दार्जिया बाड़ी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग ५७ से गुजर रहे एक ट्रक के सोमवार सुबह अनियंत्रित होकर पलट जाने से उसमें सवार आठ मजदूरों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। घटना पूर्णिया जिले के जलालगढ़ थाना के सीमा काली मंदिर के पास की है। मौके पर जेसीबी से ट्रक को उठाया गया है। दबे हुए मजदूरों को निकाला जा रहा है। पुलिस उपाधीक्षक (सदर) सुरेंद्र कुमार सरोज के मुताबिक, हादसे में मारे गए आठों मजदूर राजस्थान के रहने वाले थे और लोहे के पाइप से लदे ट्रक में सवार

होकर सिलीगुड़ी से जम्मू जा रहे थे। लोहे के पाइप के नीचे दबने से मजदूरों की मौत हुई। उन्होंने बताया कि हादसे में घायल मजदूरों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान ईश्वर लाल, वसु लाल, काबा राम, कांति लाला, हरीश, मनी लाला, दुष्यंत, एक अज्ञात शामिल हैं। सभी राजस्थान के उदयपुर खैरवाड़ा के बताए जा रहे हैं।

मस्जिदों से हटाए लाउडस्पीकर स्कूलों, हॉस्पिटलों को किये जा रहे दान हैं : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ । लाउडस्पीकर पर चल रहा विवाद अब थमता नजर आ रहा है। इस बीच उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ का बयान आया है। उन्होंने बताया कि यूपी में मस्जिदों से लाउडस्पीकर या तो उतार दिये गए हैं, या फिर उनकी आवाज कम करा दी गई है। योगी ने एक बड़ी बात और कही। उन्होंने बताया कि

उतारे गए लाउडस्पीकर स्कूलों या फिर हॉस्पिटलों को दान कर दिये गए हैं। बता दें कि पिछले दिनों देश के कई राज्यों में मस्जिद से लाउडस्पीकर के जरिये होने वाली अजान के खिलाफ आवाज उठाई गई थी। इसपर अलग–अलग राज्यों में हंगामा भी हुआ था। इसके बाद यूपी में लाउडस्पीकर हटाने की कवायद शुरू की गई थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की साप्ताहिक पत्रिकाओं श्ऑर्गनाइजर एवं पांचजन्यश के ७५ साल पूरा होने पर यहां आयोजित मीडिया संगोष्ठी को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, श्कई राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद दंगे हुए थे। उत्तर प्रदेश में चुनाव के दौरान या बाद में कोई दंगा नहीं हुआ। यह वही उत्तर प्रदेश है, जहां पहले छोटे–छोटे मुद्दों पर दंगे होते थे।श राज्य में आवारा पशुओं की समस्या को लेकर उन्होंने इससे निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कई कदमों का जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में तीर्थस्थल का विकास किया जा रहा है।

चंपावत चुनाव प्रचार अभियान ने पकड़ी गति

विशेष संवाददाता

चंपावत। चंपावत सीट के लिए होने वाले उपचुनाव के लिए चुनाव प्रचार अभियान अब गति पकड़ चुका है। मुख्यमंत्री धामी ने आज पूरे दिन अपने चुनाव क्षेत्र में बिताया, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी मोर्चा संभालते दिखे।

आज खटीमा से चंपावत पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जहां नरियाल गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि चंपावत की जनता ने जिस तरह से भाजपा को झोली भर कर वोट दिया था, वह जनता अब मुझे भी अपना आशीर्वाद देगी। उन्होंने कहा कि मैं यहां की जनता की भावनाओं को देखकर ही आया हूं। उन्होंने कहा कि वनाधिकार और वन पंचायतों को लेकर वह पहले भी यहां काम करते रहे हैं।

❑सीएम धामी व हरीश रावत ने संभाला मोर्चा

पिछले चुनाव में जनता ने भाजपा को बड़ा जनादेश देकर सारे मिथक तोड़ दिए हैं वह एक बार मुझे रिकॉर्ड मतों से जिता कर नया इतिहास रचेगी। मुख्यमंत्री ने आज टनकपुर क्षेत्र में भी जनसंपर्क अभियान चलाया।

भाजपा नेता सुरेश जोशी का कहना है कि चंपावत उपचुनाव एकतरफा होने जा रहा है विपक्ष इस चुनाव में कहीं दूर दूर तक भी नहीं है। लोगों में मुख्यमंत्री धामी के प्रति भारी उत्साह है उन्हें पता है कि सीएम की जीत का क्या अर्थ है। उधर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी आज चंपावत पहुंच गए हैं उन्होंने वनबसा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाकर कांग्रेस प्रत्याशी निर्मला गहतोड़ी को वोट देकर उन्हें भारी मतों से जिताने की अपील की। पूर्व सीएम का कहना है कि भाजपा झूठ की राजनीति करती है। भाजपा ने सूबे की जनता से जो मुफ्त सिलेंडर देने का वायदा किया था वह मुफ्त का सिलेंडर अब सिर्फ अंत्योदय परिवारों को ही दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देशभर में लोग महंगाई और बेरोजगारी से परेशान हैं यह भाजपा की बड़ी उपलब्धि है। हरीश रावत अब चुनाव तक यहीं रहेंगे व निर्मला गहतोड़ी के समर्थन में प्रचार करेंगे।

दून की शान व इंसानियत की पहचान दीनानाथ सलूजा अब नहीं रहे

विशेष संवाददाता

देहरादून। दीनानाथ सलूजा नहीं रहे। यह खबर आज सुबह जिसे भी मिली सुनकर हर कोई स्तब्ध रह गया हर किसी की जुबान पर एक बात थी वह दून की शान थे और इंसानियत की पहचान थे। दुनिया से अंतिम विदाई लेने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए इससे बड़ी कोई उपलब्धि भला और क्या हो सकती है।

पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष दीनानाथ सलूजा ने आज लंबी बीमारी के बाद अपने राजपुर रोड स्थित आवास पर अपना शरीर त्याग दिया। उनके न रहने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके अंतिम दर्शनों के लिए पहुंचे। दून के विकास के इतिहास में दीनानाथ सलूजा

❑राजनीति व साहित्य जगत में शोक की लहर

का जो योगदान रहा है उसके लिए उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। साहित्य जगत और सांस्कृतिक विरासतों को संवारने और संजोकर रखने के लिए उनके द्वारा अनेक कार्य किए गए। हिंदी और उर्दू साहित्य से जुड़े लोगों की हर संभव मदद के लिए वह हमेशा तत्पर रहें। दून का हिंदी साहित्य भवन का निर्माण उनके ही प्रयासों का साक्ष्य है। 1980 के दशक में नगर पालिका अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने दून के विकास के लिए अनेक ऐसे काम किये जिनकी आज भी लोग प्रशंसा करते हैं।

हर दिल अजीज दीनानाथ सलूजा जीवन पर्यंत हर उस व्यक्ति की मदद के लिए साथ खड़े रहे जो भी उनके पास पहुंचा। जन सेवा में संपूर्ण जीवन समर्पित रहे 80 वर्षीय दीनानाथ सलूजा के निधन पर साहित्य व राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने शोक संवेदनाएं में व्यक्त करते हुए उनके निधन को अपूर्ण क्षति बताया है। उनका अंतिम संस्कार आज शाम 5 बजे लखीबाग श्मशान घाट पर किया गया जिसमें सैकड़ों लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई दी।

बैंक के ड्रॉप बॉक्स से गायब चैक लक्सर में भुनाया

देहरादून (सं)। बैंक के ड्रॉप बाक्स से 70 हजार रूपये का गायब चैक का भुगतान लक्सर से हुआ। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार भण्डारी बाग निवासी गणेश सिंह राम ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका खाता पंजाब नेशनल शाखा (बैंक) पटेलनगर में है। वह इलेक्ट्रीकल का काम करता है। उसने आन्नद सिंह के घर में इलेक्ट्रीकल का काम किया था जिसकी एवज में आन्नद सिंह ने उसको उत्तराखण्ड ग्रामीण बैंक शाखा लक्सर का उसके नाम से सत्तर हजार 70 हजार रूपये का चैक भरकर दिया था। उसने 26 अप्रैल को प्रातः के समय चैक ड्रोप बौक्स मे डाल दिया था परन्तु अभी तक उसके खाते मे पैसे नहीं आये है। उसने बैंक में पता किया तो उसको पता चला कि उसका चैक किसी ने लक्सर वाली शाखा से स्वय जाकार कैश करा लिया है। बैंक के किसी कर्मचारी ने उसका चैक ड्रोप बोक्स से निकालकर उसके साथ धोखाधडी करके पैसे निकाल लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कार खाई में गिरी, एसएसबी के दो जवानों की मौत

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। सड़क दुर्घटना में कल देर रात एक कार के खाई में गिर जाने से एसएसबी में तैनात दो जवानों की मौत हो गयी है। सूचना मिलने पर पुलिस व एसएसबी द्वारा शवों को बाहर निकालकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थल डीडीहाट सड़क मार्ग पर कूड़ाघर के पास लालघाटी नामक स्थान पर एक कार दुर्घटनाग्रस्त होकर गहरी खाई में गिर गयी। जिसमें 11 बटालियन एसएसबी डीडीहाट में तैनात एएसआई मनोज कुमार पंत पुत्र मोहन चन्द्र निवासी भारीगाँव बेरीनाग पिथौरागढ़ व एचसी एमटी वीर सिंह पुत्र करन सिंह निवासी गुजरावाली, सिद्दिविनायक कॉलोनी थाना रायपुर देहरादून सवार थे, उक्त दोनों की मौत हो गई। थाना डीडीहाट पुलिस व एसएसबी द्वारा दोनों शवों को डीडीहाट मोर्चरी लाया गया जहां एसएचओ हिमांशु पंत के नेतृत्व में पुलिस द्वारा शवों का पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जा रही है साथ ही घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने

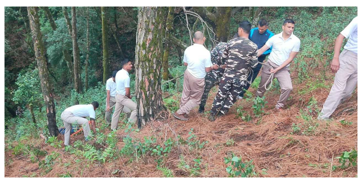

दोनों मृतकों के परिजनों को सूचित किया कर दिया गया है ।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।